PHILOSOPHY

Paper - I (Indian Philosophy)

Time allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

Part-A (Compulsary)

भाग–अ (अनिवार्य)

1. Define the following concepts (50 words each)

http://questionpaperresult.com/

Scanned by CamScanner

निम्नलिखित सम्प्रत्ययों को परिभाषित कीजिए (प्रत्येक 50 शब्दों में)

(i) Materialism.
भौतिकवाद।

(ii) Asrava.
आश्रव।

(iii) Mahayana Schools.
महायान सम्प्रदाय।

(iv) No Self.
अनात्मवाद।

(v) Evolution.
विकासवाद।

(vi) Parinamavada.
परिणामवाद।

(vii) Particularity.
विशेष।

(viii) Non-existence.
अभाव।

(ix) Apurya.
अपूर्व।

(x) Panchikaran.
पंचकरण।

Part-B (Compulsory)
भाग–ब (अनिवार्य)

2. State and examine the Charvaka theory of ethics.
चार्वाक् के नीति सम्बन्धी विचारों की व्याख्या एवं समीक्षा कीजिए।

3. Explain critically syadvada of Jainsim.
जैन दर्शन के स्याद्वाद की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the nature of inference according to Nyaya.
न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष की व्याख्या कीजिए।

5. Explain the concept of Samadhi in Yoga Darshan.
योग दर्शन में समाधि की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

6. Explain the Shankar's conception of world.
शंकर के जगत् सम्बन्धी विचार को स्पष्ट कीजिए।

Part-C (भाग–स)
Unit-I/इकाई-I

7. Explain and examine the Jaina theory of bondage and liberation.
जैन दर्शन के बंधन और मोक्ष सम्बन्धी सिद्धान्त की व्याख्या तथा समीक्षा कीजिए।

8. Discuss the Eightfold path of Buddhism as propounded in the Fourth Noble Truth.
चतुर्थ आर्य सत्य के प्रतिपादित बौद्ध दर्शन के अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए।

Unit-II (इकाई-II)

9. State and examine Vaiseshika theory of creation and destruction of the world. वैशेषिक के विश्व की सृष्टि एवं प्रलय सम्बन्धी सिद्धान्त का विवरण एवं समीक्षा कीजिए।

10. Explain the Nature of Purusha according to Samkhya philosophy. Is it

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

one or many ? Give reason in support of your answer.
सांख्य दर्शन के अनुसार पुरूष के स्वरूप की व्याख्या कीजिए। क्या वह एक या अनेक है? अपने कारण सहित उत्तर दीजिये।

Unit-III (इकाई-III)

11. Explain the nature and function of Maya according to Shankara's Vedanta. How does Ramanuja refute the Mayavada of Shankara ?
शंकर वेदान्त के अनुसार माया के स्वरूप एवं कार्यो की व्याख्या कीजिए। रामानुज शंकर के मायावाद का खण्डन किस प्रकार करते हैं?

12. Explain full Ramanuja's conception of Moksha. How does it differ from that of Shankara ? रामानुज के मोक्ष विचार की व्याख्या कीजिए। यह शंकर के मोक्ष विचार से कैसे भिन्न है?

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner